कार्यालय–प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon@gmail.com Ph.-07752275777

प्रतिवेदन

10/3/21

विभाग – समाजशास्त्र

"महिलाओं के हित में बने कानून - एक जानकारी" (कार्यशाला)

समाजशास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालयीन स्तर पर एक कार्यशाला छात्र - छात्राओं के लिये आयोजित की गई। महिलाओं को शोषण एवं उत्पीड़न से बचाने हेतु कुछ दशकों से बहुत से कानून पारित किये गये हैं। जिससे उनके साथ भेदभाव व अत्याचार समाप्त हो इसकी जानकारी उन्हें दी गई ताकि वे खुद भी जाने और परिवार के सदस्यों को आस-पास के लोगों को भी बतायें। इस कार्यशाला में डॉ. एम. डी. बघेला ने उनके लिये बने कानून की जानकारी दी।

संविधान के अनुच्छेद 14 मे कानूनी समानता अनुच्छेद 15 में जाति, धर्म, लिंग एवं जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव न करना अनुच्छेद 19 में समान रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता 23-24 मे शोषण के विरुद्ध अधिकार समान रूप से प्राप्त। 25-28 मे धार्मिक स्वतंत्रता 29-30 मे शिक्षा एवं संस्कृति का अधिकार 40 में पंचायती राज्य संस्थाओं में आरक्षण 41 में बुढ़ापा, बीमारी आदि में अभाव की दशाओं मे सहायता प्राप्त करने का अधिकार 42 में प्रसूति सहायता प्राप्ति 47 मे पोषण आहार 51 मे भारत मे महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध प्रथाओं का त्याग अनुच्छेद 33(क) 84 मे लोकसभा मे आरक्षण भ्रूण परीक्षण पर रोक 1994 अधिनियम द्वारा 1961 दहेज निषेध अधिनियम 1961 मे प्रसूति सुविधा अधिनियम को 90 दिनों से 180 दिन किया गया 1976 समान कार्य समान वेतन, 1979 पृथक शौचालय स्नानागृह की व्यवस्था धारा 294 मे अश्लीलता, छेड़छाड़ सम्बन्धी रोक पर कानून धारा 306 दुर्व्यवहार के कारण आत्महत्या धारा 313 महिला की इच्छा के विरुद्ध गर्भपात 316 नवजात बच्चे को मारना 318 नवजन्मे शिशु के जन्म को छुपाना धारा 354 में लज्जाशीलता भंग करना आदि अनेक धारायें एवं उनके लिये बनाये गये अधिनियमों की जानकारी दी कार्यक्रम मे डॉ रेखा शर्मा, अनुराधा चौहान मैडम एवं डॉ संध्या पाठक मैडम एवं सभी संकायों के बच्चों की सहभागिता रही और छात्रों ने अपनी जिज्ञासायें भी शांत की।

विभागाध्यक्ष

[signature]
Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College Sargaon

[signature]
विभागाध्यक्ष
डॉ. आभा त्रिपाठी

Scanned by CamScanner

कार्यालय–प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon @ gmail.com Ph.-07752275777

महाविद्यालयीन स्तरीय सेमीनार का आयोजन

विभाग – समाजशास्त्र (कार्यशाला)

विषय – "महिलाओं के हित में बने कानून – एक जानकारी"

दिनांक – 10/03/2021

स्थल – कक्ष क. – 01

प्रतिभागियों की सूची –

1 रीमा यादव / Reema
2. दुमेश्वर खान दुमेश्वर खान
3. नेहा ठाकुर Neha
4. नंदनी गहिलांगे
5. यशवंत राजपूत Yeshwant
6. सुनील साहू Sunil
7. प्रहलाद भारती प्रहलाद
8. साधुराम ध्रुव साधुराम ध्रुव
9. संदीप कुमार Sandeep
10 शीतल Sheetal
11. हेमन्त कुमार Kumar
12. चन्द्रप्रकाश चन्द्रप्रकाश
13. पूनमचंद पूनमचंद
14. अनिल साहू Anil
15. उज्ज्वला Ujjwala
16. निर्मला बंजारे Nirmala
17. भूशाल यादव Bhushal
18. परमेश्वर भारती परमेश्वर
19. पार्वती Parvati
20. आरती आरती
21 सुरिता Surita

प्राचार्य
Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. ... Sargaon
Distt. ...

विभागाध्यक्ष
डॉ. आभा त्रिपाठी
प्राध्यापक समाजशास्त्र

Scanned by CamScanner

कार्यालय–प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon @ gmail.com Ph.-07752275777

प्रतिवेदन

विभाग – समाजशास्त्र

"उभयलिंगी समाज की समस्यायें - एक चिंतन" 04/3/21

विषय पर समाजशास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालयीन स्तर पर एक शोध संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें सरगांव के पास ही भ्रमण कर जीवनयापन करने वाले किन्नरों (उभयलिंगी) को आमंत्रित किया गया। उनकी समस्यायें जानी गई। उभयलिंगी या ट्रांसजेंडर से अभिप्राय उन लोगों से है जिनके जननांग पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाये हैं अथवा पुरुष होकर भी स्त्रियोचित गुण के हैं। ये समाज का वो परित्यक्त उपेक्षित वर्ग है जिसके बारे में गंभीरता से चिंतन करने की आवश्यकता है कि इनकी समस्यायें क्या है? क्यों ये आज के इस आधुनिकता के युग में भी परम्परागत तरिके से ही जीवन यापन करने बाध्य हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 5 लाख किन्नर हैं जिनमें आधे से अधिक नकली हैं जो पैसे के लालच में किन्नर होने का स्वांग करते हैं। इनमें से 70 हजार को आपरेशन द्वारा ठीक किया जा सकता है। कुछ को मनोचिकित्सक द्वारा वापस उनके लिंग में भेजा जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ट्रांसजेंडर में वे सभी लोग शामिल हैं जिनकी लिंग की अनुभूति उनके जन्म के समय नियत किये लिंग से मेल नहीं खाती। 2013 में सरकार ने एक्सपर्ट कमेटी का गठन इनके लिये किया। 2014 में सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात को मान्यता दी कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को पुरुष या महिला या तीसरे लिंग के रूप में स्वयं को आइडेंटिफाई करने का अधिकार है। यह उसके स्वायत्तता के अधिकार का ही एक हिस्सा है। इस संगोष्ठी में उभयलिंगी समाज का प्रतिनिधित्व पांच लोगों (किन्नरों) ने किया सुश्री मधुबाला, मोहनी जी, पिंकी जी, अनुजा जी, लक्ष्मी जी। संगोष्ठी को अपनी समस्याओं से मोहनी जी एवं **मधुबाला** जी ने अवगत कराया कि उन्हे कैसे घर परिवार छोड़ना पड़ा उन्हे किस प्रकार समाज में सामाजिक भेदभाव और लांछन का सामना करना पड़ता है। जो उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार की सेवाओं और सरकारी दस्तावेज तक पहुंच को प्रभावित करती है। वे भी समाज का एक महत्वपूर्ण अंग हैं उन्हे भी विकास के समान अवसर मिलें इसके लिये सरकारी योजनाओं के साथ-साथ वैचारिक क्रांति और सामूहिक प्रयास भी जरूरी है। उन्होंने हमसे अपेक्षा की आप बच्चों को ये बतायें कि हम भी समाज के सम्मानित सदस्य हैं अतः हमारे साथ भेदभाव व अपमानजनक व्यवहार ना किया जाये सरकार शिक्षा, रोजगार, प्रशिक्षण और आरक्षण की सुविधा प्रदान करें।

विभागाध्यक्ष

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

विभागाध्यक्ष
समाजशास्त्र

Scanned by CamScanner

कार्यालय–प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgesargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon @ gmail.com Ph.-07752275777

महाविद्यालयीन स्तरीय सेमीनार का आयोजन

विभाग – समाजशास्त्र

विषय – "उभयलिंगी समाज की समस्या – एक चिंतन"

दिनांक – 04/3/21

स्थल – कक्षा क. – (01)

प्रतिभागियों की सूची –

1 फुलेश्वरी – Phuleshwari
2. जलेश्वरी – Jaleshwari
3. हेमंत साहु – हेमंत
4. संदीप कुमार – संदीप कुमार
5. भानुप्रताप – भानुप्रताप
6. प्रियंका वर्मा – प्रियंका वर्मा
7. साधना कौशिक – साधना कौशिक
8. माणिक चन्द माणिक चन्द
9. गंगा साहू गंगा साहू
10 दीपा वर्मा दीपा वर्मा
11. पुष्पा साहू पुष्पा साहु
12. मधु साहू मधु साहू
13. अरुण कुमार ध्रुव Arun
14. नागेश जोशी Nagesh
15. फिलेश्वरी – Phileshwari
16. प्रगति – Pragati
17. गीतांजली गीतांजली
18. निलीमा निलीमा
19. नीलम नीलम
20. ज्योति ज्योति
21 भारती भारती
22 वर्षा वर्षा
23 रिंकी साहु
24 सीमा घतलहरे
25 निजिया गिरी
26 आरती कोशले
27 प्रियंका टंडन
28 मारुना चतुर्वेदी
29 ज्योति ज्योति
30 तिलेश्वरी तिलेश्वरी
31 पिंकी टंडन Pinki
32 Akesh ओकेश पटेली
33 ईश्वर प्रसाद ईश्वर प्रसाद
34 दुर्गेश कश्यप Durgesh
35 चरण चरण

विभागाध्यक्ष
डॉ. उमा त्रिपाठी
प्राध्यापक समाजशास्त्र

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

24/02/21

प्रतिवेदन

एक दिवसीय महाविद्यालयीन सेमीनार
" सोशल मीडिया का समाज पर प्रभाव "

समाजशास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं के लिये एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। कोविड 19 के निर्देशों का पालन करते हुये छात्रों ने भाग लिया। मीडिया संचार का सशक्त माध्यम है। मीडिया समाज को अनेक प्रकार से नेतृत्व प्रदान करता है। इससे समाज की विचारधारा प्रभावित होती है। मीडिया को प्रेरक की भूमिका मे ही उपस्थित होना चाहिये जिससे समाज एवं सरकार को प्रेरणा व मार्गदर्शन मिल सके। लोकतांत्रिक देशों में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के क्रियाकलापों पर नजर रखने के लिये मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में जाना जाता है। मीडिया अगर सकारात्मक भूमिका अदा करे तो किसी भी व्यक्ति, संस्था, समूह और देश को आर्थिक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक रूप से समृद्ध बनाया जा सकता है। आज के बाजारीकरण के इस युग में नैतिकता, मूल्य संस्कृति को ताक पर रख कर व्यक्तिगत हितों को ध्यान मे रखा जा रहा है। प्रिंट मीडिया विकास हुआ तो इलेक्ट्रानिक मीडिया भी अश्लीलता परोसने लगा। जनता को जागरूक करने वाला मीडिया लालच, स्पर्धा, दुर्भावना, राजनीतिक कुचक्र के जाल में फंसकर व्यक्तिगत एवं संस्थागत स्वार्थों तक ही सीमित रह गया है वर्तमान में सोशल मीडिया एक ऐसा माध्यम है जहां निर्भिक हो कर अपनी बात सार्वजनिक मंच पर रखी जा सकती है। हम इसका प्रयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीति, खेल, आर्थिक विकास आदि संदर्भ में कर सकते हैं। वर्तमान का युवा वर्ग इसका प्रयोग सकारात्मक कम और नकारात्मक ज्यादा करने लगे है। आवश्यकता है उनके जागरूक होने की, असामाजिक क्रियाकलापों से दूर रहने की, साईबर क्राइम से सावधान रहने की, अनजान लोगों से नहीं जुड़ने की, पर्सनल जानकारी शेयर नहीं करने की, किसी भी प्रलोभनों मे नहीं फंसने की जागरूकता पैदा की गई दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र ने उसके प्रभाव (सकारात्मक) बताये। विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र डॉ. ए.के. चंदेल ने व्याख्यान दिया छात्रा पूजा साहू हेमंत साहू ने नकारात्मक प्रभाव बताये।

Principal
Sant ... Ravidas
Govt. ... College
Distt. Mu...

विभागाध्यक्ष
समाजशास्त्र

Scanned by CamScanner

कार्यालय–प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon@gmail.com Ph.-07752275777

महाविद्यालयीन स्तरीय सेमीनार का आयोजन

विभाग – समाजशास्त्र

विषय – "सोशल मिडिया का समाज पर प्रभाव"

दिनांक – 24/02/21

स्थल – कक्ष क. – 01

प्रतिभागियों की सूची –

1	पुष्पा साहू	पुष्पा साहू
2.	माणिक चन्द	माणिक चन्द
3.	दीपा वर्मा	दीपा वर्मा
4.	मधु साहू	मधु साहू
5.	हिमंत साहू	हिमंत साहू
6.	संजना सान्डे	संजना सान्डे
7.	दुमेश्वर खान	दुमेश्वर खान
8.	संदीप कुमार	संदीप कुमार
9.	रानू साहू	रानू साहू
10	नंदनी महिलांगे	[signature]
11.	यशवंत राजपूत	yoshvant
12.	सुनील साहू	[signature]
13.	गंगा साहू	गंगा साहू
14.	ज्योति साहू	ज्योति साहू
15.	हितेश्वरी साहू	हितेश्वरी साहू
16.	करन कुमार कौशल	Karan kele
17.	अंजली कुर्रे	अंजली
18.	रितेश सिंह मनहरे	Rmanhare
19.	निलीमा गिरी	निलीमा गिरी
20.	सीमा	सीमा

[signature]
प्राचार्य
Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

[signature]
विभागाध्यक्ष
डॉ. आभा त्रिपाठी
प्राध्यापक समाजशास्त्र

Scanned by CamScanner

कार्यालय–प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon @ gmail.com Ph.-07752275777

प्रतिवेदन

5/10/18

विभाग – समाजशास्त्र

पारिवारिक विघटन की समस्या - एक चिंतन (सेमीनार)

समाजशास्त्र विभाग द्वारा वर्तमान की ज्वलंत समस्या पारिवारिक विघटन की समस्या पर महाविद्यालयीन स्तर पर सेमीनार आयोजित किया गया। भारतीय समाज की नींव का पत्थर है संयुक्त परिवार जहां बच्चे संस्कार मूल्य, धर्म, समायोजन सीख कर व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण करते हैं। समाजीकरण की प्रक्रिया उन्हें समाज से अनुकूलन करना सिखाती है। ये एक अच्छे नागरिक के रूप में किसी राष्ट्र का भविष्य निर्माण करते हैं। आज की इस भौतिकवादी आधुनिकता, शिक्षा, रोजगार, प्रशिक्षण ने, औद्योगीकरण और पश्चिमीकरण ने भी इस आधारभूत संस्था पर प्रभाव डाला है ये संयुक्त से एकाकी और छोटे होते जा रहे हैं। परम्परागत व्यवसायों का छोड़ा जा रहा है जो परिवार और सम्पत्ति की संयुक्तता को बांधे रखते थे भिन्न भिन्न व्यवसायों, जीवनशैली की भिन्नता ने वैचारिक भिन्नतायें भी पैदा की जिससे व्यक्तिवादी दृष्टिकोण क्रियाशील होने लगा लगा। जैसे हम से मेरा तेरा दृष्टिकोण प्रभावी हुआ फलस्वरूप कहीं मजबूरी और कहीं स्वतंत्रता की चाह ने संयुक्त परिवार का विघटन किया अब परिवार हैं पर नहीं। परिणाम स्वरूप परिवार में जो संरक्षण, नियंत्रण, सुरक्षा मिलती थी सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का संरक्षण एवं हस्तांतरण होता था। नैतिक शिक्षा का विकास होता था। आज नौकरी की चाह ने भागदौड़ की जिंदगी जिने पर मजबूर कर दिया। आज हम दुसरों की नौकरी और दुसरे हमारी नौकरी करते हैं। बच्चे झूलाघर वृद्ध वृद्धाश्रम में रहने पर मजबूर हो गये हैं। संयुक्त परिवार के विघटन के कारणों पर पूजा साहू ने प्रकाश डाला। (B.A.III) जितेश कुमार ने संयुक्त परिवार का महत्व बताया। (B.A.II) डॉ. एम. डी. बरवला ने पारिवारिक विघटन की समस्याओं और परिणाम पर चिंतन किया। संगोष्ठी के अंत में संयुक्त परिवार का महत्व बताते हुये इसके लाभ बताये। विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया

प्राचार्य
Sant Shiro... Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli

विभागाध्यक्ष
विभागाध्यक्ष
डॉ. आभा त्रिपाठी

Scanned by CamScanner

कार्यालय–प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव
जिला–मुंगेली (छ.ग.)

महाविद्यालयीन स्तरीय सेमीनार का आयोजन

विभाग – समाजशास्त्र

विषय – पारिवारिक विघटन की समस्या : एक चिंतन

दिनांक – 5/10/18

स्थल – कक्ष क. –

प्रतिभागियों की सूची –

1. खुशी निषाद
2. हेमंत साहू
3. मधु साहू मधु साहू
4. शीतल कुमार शीतल कुमार
5. लीलावती – लीलावती
6. साधना कौशिक – साधना कौशिक
7. प्रियंका वर्मा – प्रियंका वर्मा
8. माणिक चन्द – माणिक चन्द
9. अनिशा जागड़े Anisha
10. नंदिनी विश्वास
11. बुद्धेश्वर B Kaushik
12. राजेश कुमार साहू
13. पूनम वर्मा
14. चमेली वर्मा चमेली
15. ज्योतिरानी साहू
16. संध्या विश्वकर्मा संध्या
17. गंगा साहू गंगा साहू
18. पूजा साहू पूजा साहू
19. आरती
20. सुषमा सुषमा
21. ताराचंद सेन
22. मिथलेश
23. चंचल देवांगन
24. मथुरा मथुरा
25.

प्राचार्य

Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

विभागाध्यक्ष
डॉ. आभा त्रिपाठी
प्राध्यापक समाजशास्त्र

Distt. Mungeli (C.G.)
Govt. College, Sargaon
आभा त्रिपाठी

Scanned by CamScanner

कार्यालय–प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon @ gmail.com Ph.-07752275777

प्रतिवेदन

20/8/18

विभाग – समाजशास्त्र

"युवाओं मे अपराध की बढ़ती हुई प्रवृति"

विषय पर समाजशास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालयीन स्तर पर सेमीनार का आयोजन किया गया। आज का युवा बहुत महत्वाकांक्षी है। संचार प्रौद्योगिकी और क्रांति ने उसे भौतिकता के समस्त साधनों से परिचित करवा दिया है। आज युवा समस्त आधुनिकतम साधनों का उपभोग करना चाहता है। उसे नैतिक तरिकों से, ईमानदारी, मेहनत से प्राप्त करे या अनैतिक गैरकानूनी तरिकों से प्राप्त करे बस उसे चाहिये। इसके लिये महंगे शौक आम आदत बन चुकी है आज लिया गया मोबाईल 02 साल मे पुराना, बाईक 04 साल मे बेकार लगने लगती है। अपनी सपनों की दुनिया के ख्वाब यथार्थ मे मेहनत से नहीं शार्टकट से पूरा करना उसे सहज लगने लगता है और वो इसी के साथ अपराध की दुनिया मे प्रवेश करता है। घर, परिवार, समाज, नातेदारी, संस्कृति, मूल्य की मर्यादाओं का उल्लंघन जीवन का हिस्सा बन चुका होता है। मौजमस्ती के नाम पर युवा कब अपराध जगत से जुड़ जाता है उसे खुद ज्ञात नहीं होता। अपराध जगत की दुनिया मे ऐसे बहुत से गिरोह हैं जो ऐसे ही युवाओं को नशे की लत महंगे शौक की लत लगवा कर उन्हे अपराध के दलदल मे ढकेलते हैं। अच्छी नौकरी, विदेश यात्रा, ईनाम का लालच, अच्छा व्यवसाय आदि बातों का सब्जबाग दिखा कर इस जगत मे ढकेला जाता है। हत्या, लूट, बालात्कार, चोरी, डकैती, ब्लेकमेलिंग के अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जाता है। ~~विभागाध्यक्ष~~ आवश्यकता है बच्चों को नैतिक शिक्षा दिये जाने की, योगदान से जोड़ने की। पारिवारिक नियंत्रण की नैतिक सामाजिक मूल्यों को बनाये रखने की है। अपराधों की रोकथाम हेतु डॉ. ए. के. चंदेल ने सम्बोधित किया डॉ रेखा शर्मा ने नैतिक मूल्यों को बनाये रखने की आवश्यकता पर बल दिया। B.A.II की नीलू वर्मा एवं अमित कौशिक ने कारण एवं रोकथाम पर पत्र वाचन किया। सभी संकाय के छात्रों ने उत्साह से भाग लिया सेमीनार का उद्देश्य युवा जगत को जागरूक करना भी है कि वे अपराध जगत के चकाचौंध से आकर्षित न हों।

प्राचार्य
Sant ... Ravidas
Govt. College ...

विभागाध्यक्ष
समाजशास्त्र

Scanned by CamScanner

कार्यालय–प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव
जिला–मुंगेली (छ.ग.)

महाविद्यालयीन स्तरीय सेमीनार का आयोजन

विभाग – समाजशास्त्र

विषय – "युवाओं में अपराध की बढ़ती हुई प्रवृत्ति"

दिनांक – 20.08.2018

स्थल – कक्ष क. – 01

प्रतिभागियों की सूची –

1. माणिक चन्द माणिक चन्द
2. शीतल कुमार शीतल कुमार
3. अनिशा जांगड़े Anisha
4. नंदिनी बंजारे
5. कुलेश्वर B.Kaushik
6. चमेली वर्मा चमेली
7. पूनम वर्मा पूनम
8. ज्योतिरानी साहू
9. संदीप विश्वकर्मा संदीप
10. पुष्पा साहू पुष्पा साहू
11. मधु साहू मधु साहू
12. लीलावती - लीलावती
13. गंगा साहू गंगा साहू
14. हेमंत साहू हेमंत साहू
15. नीतू कुमारी नीतू
16. भारती
17. चंचल देवांगन
18. मिथलेश
19. सुषमा सुषमा
20. तारांचद सेन
21. साधना कौशिक साधना कौशिक
22. प्रियंका वर्मा · प्रियंका वर्मा
23.
24.
25.

प्राचार्य

Sant ... Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

विभागाध्यक्ष

डॉ. उमा त्रिपाठी
प्राध्यापक-समाजशास्त्र

Scanned by CamScanner

कार्यालय–प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव
जिला–मुंगेली (छ.ग.)

महाविद्यालयीन स्तरीय प्रतियोगिता – वाद-विवाद प्रतियोगिता

विभाग – हिन्दी विभाग एवं समाज शास्त्र विभाग

विषय – "गाँधीवाद से ही भारत की समस्याओं का समाधान संभव है।"

दिनांक – 02-10-2021

स्थल – कक्ष क्र. – 03

प्रतिभागियों की सूची –

1. चन्द्रकली टंडन बी.ए. III – पक्ष – प्रथम
2. रविप्रकाश बी.ए. III – पक्ष – द्वितीय
3. चाँदनी वर्मा बी.ए. III – पक्ष
4. अमित कौशिक III – पक्ष
5. रूपाली पठारी बी.कॉम II – पक्ष
6. निर्मला साहू बी.कॉम II – विपक्ष
7. सूरज जलबाबरे BSC III – विपक्ष
8. दुर्गेश साहू B.Sc. III – विपक्ष
9. अंजली कौशले बी.ए. II – विपक्ष – द्वितीय
10. छबिकुमार बी.ए. II – विपक्ष – प्रथम
11.
12.
13.
14.
15.
16.
17.
18.
19.
20.
21.
22.
23.
24.
25.

प्राचार्य

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

विभागाध्यक्ष
डॉ. आभा तिवारी
प्राध्यापक समाजशास्त्र

Scanned by CamScanner

Office of the Principal

Sant Shiromani Guru Ravidas Government College Sargaon, Dist-Mungeli (C.G.)

(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon@gmail.com

समाजशास्त्र (sociology)

Mission (लक्ष्य) –

समाजशास्त्र विषय कला संकाय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में एक मुख्य विषय के रूप में प्रचलित है। छात्रों को समाज के बारे में वैज्ञानिक व समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण प्रदान कर यथार्तवादी ज्ञान विकसित करना इस विषय का मुख्य उद्देश्य है। वे एक सभ्य सुसंस्कृत सामाजिक प्राणी बनने के साथ–साथ अपने समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वाहन के लिए जागरूक एवं तत्पर हों। ज्ञान में वृद्वि के साथ–साथ विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं हेतु मार्गदर्शन देना है। सामाजिक परिवर्तन से उत्पन्न समस्याओं का अध्ययन एवं निराकरण करना एवं उनसे सामंजस्य स्थापित करना है इस विषय का मूल उद्देश्य है।

vision (दृष्टि)

1. सामाजिक संरचना सामाजिक परिवर्तन के प्राचीन एवं वर्तमान स्वरूपों का ज्ञान प्रदान करना
2. समाज की संस्थापक ईकाइयों का महत्व उत्पन्न समस्याएं एवं निराकरण प्रस्तुत करना।
3. हमारा समाज के प्रति और समाज का हमारे प्रति उत्तरदायित्व स्पष्ट कर रचनात्मक स्वरूप प्रदान करना।
4. समाज कल्याण, श्रम कल्याण सामाजिक सुरक्षा हेतु सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में समाजशास्त्रीय दृष्किोण विकसित किया।
5. सामाजिक समस्याएं, सामाजिक परिवर्तन जनजातिय समाज एवं अपराध से संबंधित नवीन जानकारी वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत करना।
6. सामाजिक अनुसंधान द्वारा वस्तुनिस्ठ अध्ययन करना।

पाठ्यकम की जानकारी – स्नातक बी. ए. तीन वर्षीय पाठ्यकम की जानकारी निम्नानुसार है–

1. बी. ए. प्रथम वर्ष – प्रथम प्रश्न पत्र – समाजशास्त्र का परिचय (Introduction to sociology)
   द्वितीय प्रश्न पत्र – समकालीन भारतीय समाज (contemparary Indian society)
2. बी. ए. द्वितीय वर्ष – प्रथम प्रश्न पत्र – जनजातिय समाज का समाजशास्त्र (sociology of tribal society)
   द्वितीय प्रश्न पत्र – अपराध एवं समाज (crime and society)
3. बी. ए. तृतीय वर्ष – प्रथम प्रश्न पत्र – जनजातिय समाज का समाजशास्त्र (sociology of tribal society)
   द्वितीय प्रश्न पत्र – सामाजिक अनुसंधान की पद्वतिया (social research of methods)

समाजशास्त्र विषय के पाठ्कम में समाजशास्त्र के परिचय के साथ विषय की सैद्वांतिक एवं व्यवहारिक उपयोगिता भी ध्यान में रखते हुए अध्यापन किया जाता है। समकालीन सामाजिक समस्याओं एवं मानवीय संबंधो में सुधार हेतु रचनात्मक प्रवृत्ति का विकास किया जाता है एवं अपने समाज व संस्कृति के प्रति दायित्वों के निर्वाह की उन्हे प्रेरणा दी जाती है। जिससे वे परिवर्तन से सामंजस्य स्थापित कर सके एवं वैज्ञानिक दृष्किोण का विकास हों जो उन्हे व्यवहारिक जीवन के साथ–साथ व्यवसायिक जीवन में भी सफलता प्राप्त करने में सहयोगी हो।

Program Objective and learning out comes

समाजशास्त्र विषय का पाठ्यकम इस बात को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, कि स्नातक स्तर के छात्रों को परीक्षा उत्तीर्ण करने साथ–साथ अपने विषय की मूल जानकारी एवं समाज सेवा, समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा आदि के क्षेत्रों में उन्हें प्राथमिकता मिले साथ ही प्रतियोगी परीक्षा के अध्ययन में सुविधा हो एवं समाज के प्रति उनमें साकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो।

प्राध्यापक

डॉ. आभा तिवारी
सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र)

प्राचार्य

Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

Scanned by CamScanner

संत शिरोमणि गुरू रविदास शासकीय महाविद्यालय, सरगांव, जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email-ssgrgovtcollegesargaon@gmail.com

Course Outcome

Class- B. A. I, II & III

Subject – Sociology

1. स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम (समाजशास्त्र) को पढ़ने से छात्रों के ज्ञान में वृद्वि तो हुई है साथ ही साथ अपने सामाजिक दायित्वों को बदलते हुए परिवेश में कैसे निभाया जाय इसकी प्रेरणा भी मिली है।
2. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं मे मुख्य विषय हेतु समाजशास्त्र के चयन से होने वाले फायदे समाजकल्याण, श्रम कल्याण, महिला बाल कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, सुपरवाइजर आदि क्षेत्रों में इस विषय की प्राथमिकता ज्ञात हुई।
3. छात्रों को सामाजीकरण के साथ ही एक अच्छे नागरिक व सामाजिक प्राणी बनने हेतु समय समय पर मार्गदर्शन व सहयोग का लाभ मिला।
4. अपराध शास्त्र के अध्ययन से अपराध व उसकी प्रवृति जानने से युवा वर्ग स्वयं अपराध से तो बचेगा ही अपने आसपास होने वाले अपराधों की रोकथाम हेतु भी सजग रहेगा। इस विषय के कारण उसे प्रोवेशन अधिकारी, समाज सुधारक, सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका का दायित्व भी सौपा जाता है।
5. कार्य में मानवीय संबधों से सुधार, वर्तमान की सामाजिक समस्यायें उन पर चिंतन उसके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण व अनुसंधान पाश्चात सार्थक समाधान हेतु भी छात्रों को एक नई दिशा मिलती है।
6. इस विषय के अध्ययन से छात्र संपूर्ण जीवन में उम्र व समय के साथ साथ समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखकर अपने सामाजिक, पारिवारिक एवं राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन एक जागरूक नागरिक के रूप में करेगा।
7. अपनी संस्कृति की मौलिकता को बनाये रखने के साथ बदलते परिवेश से सामंजस्य स्थापित करना हीं समय की मांग है जिसे उन्हें सीखाया जाता है।

डॉ. आभा त्रिपाठी
प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग

Principal,
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

Scanned by CamScanner

कार्यालय – प्राचार्य संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय सरगाँव जिला – मुंगेली छ.ग.

सरगाँव, दिनाँक 08.01.2020

समाजशास्त्र विभाग

विषय :– बी. ए. प्रथम वर्ष के छात्र–छात्राओं द्वारा ग्राम मनियारी में दहेज प्रथा की बुराई दूर करने हेतु शैक्षणिक भ्रमण।

आज दिनांक 08.01.2020 को बी.ए. भाग एक के विद्यार्थियों ने ग्राम मनियारी में भारतीय समाज में दहेज की बुराई को दूर करने हेतु शैक्षणिक भ्रमण किया। सर्वप्रथम विद्यार्थियों ने गांव के सरपंच प्रेम पाटले जी उप सरपंच विष्णु यादव जी एवं अन्य गणमान्य लोगो से संपर्क किया एवं ग्रामीण शिक्षा के स्तर की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने विशेषकर बालिका शिक्षा महिलाओं की स्थिति एवं सुख–सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। गांव के एक निर्धारित स्थान पर छात्रों ने कुछ महिलाओं को बुलाया और उन्हें बताया की विवाह से संबंधित समस्याओं में दहेज एक प्रमुख समस्या मानी जाती जो वर्तमान में गंभीर समस्या बन गई है। बालविववाह, विधवा विवाह, कन्या भ्रुण हत्या, बेमेल विवाह निषेध जैसी समस्याएं भी इससे संबंधित है कि दहेज ने विकराल रूप धारण कर लिया है।

दहेज स्वयं अभिशाप तो है ही साथ ही अन्य अनेक समस्याओं जैसे भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न आदि की जड़ भी है। छात्रों ने ग्रामीण महिलाओं को बताया की 1961 में दहेज निरोधक अधिनियम के 60 वर्ष बाद भी यह समस्या समाप्त नही हो पाई है। छात्रों ने दहेज प्रथा के कारणों, दुष्परिणाम एवं समाप्त करने के सुझाव नये कानूनों के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। कुछ ग्रामीण महिलाओं ने छात्रों के समक्ष प्रण किया कि वे भविष्य में दहेज प्रथा का पूर्ण विरोध करेंगी। समस्त छात्रों और ग्रामीणों ने भी साथ में संकल्प लिया की वे अपने परिवार एवं समाज दहेज प्रथा को समाप्त करने पूर्ण सहयोग करेंगे।

निम्नलिखित छात्रों ने भ्रमण किया–

सरिता साहू, सुषमा राजपूत कृष्णा कुमार, संजू बरगाह, अनुज कुमार, दिलेश्वरी ध्रुव, अनिल साहू, पूजा वर्मा, संतोषी सुरते, वेदप्रकाश आदि छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र

डॉ. आभा त्रिपाठी

प्राचार्य

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

Scanned by CamScanner

कार्यालय – प्राचार्य संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय सरगाँव जिला – मुंगेली छ.ग.

सरगाँव, दिनाँक 04.11.2017

समाजशास्त्र विभाग

विषय :– बी. ए. तृतीय वर्ष के छात्र–छात्राओं द्वारा पुलिस थाना सरगांव का भ्रमण।

आज दिनांक 04.11.2017 को बी.ए. द्वितीय वर्ष समाजशास्त्र के कुछ छात्र छात्राओ ने पुलिस थाना सरगांव का भ्रमण किया । सरगांव थाना प्रभारी श्री मनीष नागर जी एवं अन्य कर्मचारियों से मुलाकात की थाना प्रभारी ने छात्रों को पुलिस विभाग की कार्यपद्धति के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होने छात्रों को सगठित अपराध एवं साइबर अपराध के बारे में विस्तारपूर्वक बताया एवं सावधानियां रखने की सलाह दी। उन्होने कहा की वे सभी कार्य जो सामाजिक व्यवस्था के विरूद्व होते हैं अपराध की श्रेणी में रखे जाते हैं। अतः सामाजिक आदर्शो एवं नियमों के विरूद्व कार्य करना अपराध कहलाता हैं ऐसे कार्य करने वाले को अपराधी कहा जाता है। उन्होनें संगठीत अपराध क्या है और उसके लक्षण बताये और वर्तमान मे हो रहे संगठीत अपराधों पर प्रकाश डाला तथा सचेत किया।

अन्य प्रभारी केसर पराग जी ने साइबर अपराध क्या है कैसे अपराधी घर बैठे ठगी करते है। साइबर अपराधों के प्रकार एवं भारत में इसके परिणाम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। छात्र उस समय अत्यधिक प्रभावित हुये जब पुलिस अधिकारी ने उन्हें भारत में साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु अपनाये जा रहे उपायों की जानकारी प्रदान की। पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली एवं समाज के प्रति उनकी निष्ठा को देखकर कुछ छात्रों ने पुलिस अधिकारी बनने का अपना लक्ष्य निर्धारित किया।

पुलिस थाने गये छात्रों की सूची

1. यशवंत डहरिया
2. रामेश्वर साहू
3. जयप्रकाश
4. भगवती साहू
5. लक्ष्ती कौशिक
6. रजनी दुर्गा
7. बिसाहीन
8. रत्ना राजपुत
9. संगीता
10. सरस्वती
11. रमसील्ला
12. अनुसुईया

विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र
डॉ. आभा त्रिपाठी

प्राचार्य
Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

Scanned by CamScanner

कार्यालय – प्राचार्य संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय सरगाँव जिला – मुंगेली छ.ग

सरगाँव, दिनाँक 26.09.2018

समाजशास्त्र विभाग

विषय :– बी. ए. तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा ग्राम सल्फा जिला–मुंगेली का शैक्षणिक भ्रमण।

आज दिनांक 26.09.2018 इस महाविद्यालय के बी.ए. तृतीय वर्ष समाजशास्त्र के कुछ छात्र–छात्राओं ने गांव की साफ सफाई की तत्पश्चात् निर्धारित स्थान पर गांव के सरपंच एवं गांव के अन्य ग्रामीणों से मुलाकात की। छात्र देवांनाथ श्रीवास ने ग्रामीणों को दहेज प्रथा एवं घरेलू हिंसा के दुष्प्रभावों को बताया एवं ग्रामिणों को दहेज लेने एवं देने से दूर रहने प्रेरित किया एव दहेज निरोधक कानून की जानकारी दी।

छात्रा मीना रात्रे ने महिला उत्पीड़न के दुष्परिणाम के बारे में बताया एवं टोनही प्रताड़ना को रोकने एवं पूर्ण रूपेण प्रतिबंध हेतु प्रेरित किया। टोनही प्रताड़ना कैसे नासूर के समान महिलाओं की हत्या एवं शोषण का कारण बनती है विस्तारपूर्वक समझाया एवं अन्याय को रोकने बने टोनही प्रताड़ना निरोधक कानुन 2005 की जानकारी दी व उलंघन पर दिये जाने वाले दंड के बारे मे जानकारी दी।

डॉ. आभा त्रिपाठी ने समाज में व्याप्त अंध विश्वासों पर चर्चा की एवं उनके दुष्परिणाम के बारे में बताया साथ ही महिलाओं के हितों के संरक्षण में बनें कानूनों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होनें ग्रामीणों से हर क्षेत्र के नवीनतम् ज्ञान को अर्जित करने हेतु प्रेरित किया। समय–समय पर अपडेट होते रहने की आवश्यकता वर्तमान की अनिवार्यत है समझाया।

1. अहिल्या
2. अन्नपूर्णा
3. अश्वनी
4. देवनाथ श्रीवास
5. दिनेश कुमार
6. प्रीती कौशिक
7. अशवंत
8. रजनी साहू
9. शांति साहू
10. यशोदा साहू
11. पवन कुमार
12. सीमा साहू

विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र

डॉ. आभा त्रिपाठी

प्राचार्य

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

Scanned by CamScanner

Revised syllabus

SOCIOLOGY 2018-2019

B.A. PART-III

PAPER – I

FOUNDATIONS OF SOCIOLOGICAL THOUGHT

(Paper Code-0246)

UNIT-I **August Comte** : The Law of Three Stages , Positivism, Hierarchy of Science.

Durkheim: Social Solidarity and Suicide.

UNIT-II **Karl Marx** : Dialectic Materialism , Class Struggle and Surplus value.

Max Weber : Bureaucracy, Authority and the Protestant Ethic and the spirit of Capitalism.

UNIT–III **Pareto** : Circulation of Elis and Logical and Nonlogical action.

Spencer : Social Darwinism, super organic evolutions.

UNIT–IV **Thorstein Veblen:** The Theory of Leisure Class, Theory of Social Change.

R. K. Morton: Functionalism and Reference Group.

UNIT-V **Development of Sociological thought in India : -**

Mahatma Ghandhi: Ahimsa, Satya Graha and Trusteeship.

Radha kamal Mukherjee : The Concept of Value.

ESSENTIAL READINGS –

1 Barres,H.E. : Introduction to the sociology, Chicago the university of Chicago press 1959.
2 Coser,Levis a.,: Master of sociological thought, New York Harcourt Brace Jovanovich 1979.
3 Singh, Yogendra- Indian sociology:social conditioning and emerging frends. New Delhi vistaar 1986.
4 Zeitlin,Irving-(Indian edition) Rethinking sociology: A critigue of contemporary theory , Jorpur Rawl 1999.

11.06.18

11/06/2018

11.6.18

11/6/18

11/6/2018

Head,
S.O.S. in Sociology & Social Work,
Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur. (C.G.)

Scanned by CamScanner

Revised syllabus

SOCIOLOGY 2018-2019

B.A. PART-III

PAPER-II

METHODS OF SOCIAL RESEARCH

(Paper Code-0247)

UNIT-I **Social Research** : Meaning, Characteristics and Significance.

Scientific methods , Hypothesis.

UNIT-II **Qualitative Research** : Ethnography, Observation, Case Study, Content analysis.

UNIT-III **Reasearch design :** Exploatory , Descriptive, Explanatory, Experimental, and Diagnostic.

UNIT-IV **Tools and Techniques of Social Research:** Social Survey, Sampling, Questionnaire, Interview - Schedule and Interview - Guide.

UNIT-V **Social Statistics:** Meaning, Importance and Limitations.

Graphs, Diagrams and Measures of Central Tendency- Mean, Mode, Median, Co-relation, Use of Computer in Social Research.

ESSENTIAL READINGS –

1. Young, P.V. (1977). *Scientific Social Surveys and Research*. Prentice Hall of India. New Delhi.
2. Bruce, C., & Margaret, M. (1993). *Approaches to Social Research*. New York: Oxford University Press.
3. Cohen, M., & Nagel, E. (1944). *An Introduction to Logi and Scientific Method*. New York: Harcourt, Brace & Company.
4. Forcese, D., & Richer, S. (1973). *Social Research Methods*. Cliffs: Englewood, Cliffs, NJ. Printinh Hall.
5. Moser, C.A. (1962). *Survey Methods in Social Research Investigation*. London: Heinemann, Printce Hall.
6. Goode, & Hatt. (1952). *Methods in Social Research*. New York: MC'grawHill Publishers.

11.06.18

11/6/2018

Head,
S.O.S. in Sociology & Social Work,
Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur. (C.G.)

11.6.18

Shubhashis 11/06/2018

11.06.2018

11.6.18

11/6/18

Scanned by CamScanner